



लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

SLOGANS AND SHOWING PLACARDS INCREASE NEITHER PRESTIGE OF MEMBERS NOR DIGNITY OF THE HOUSE: LOK SABHA SPEAKER / नारेबाजी और तख्तियां दिखाने से न तो सदस्यों को प्रतिष्ठा बढ़ती है और न ही सदन की गरिमा बढ़ती है: लोक सभा अध्यक्ष

...

PURPOSIVE DEBATES AND DISCUSSIONS IN HOUSE WILL IMPROVE DIGNITY OF THE LEGISLATURE: LOK SABHA SPEAKER / सदन में जितनी अच्छी चर्चा और संवाद होगा विधान सभा की गरिमा और प्रतिष्ठा में उतनी ही वृद्धि होगी: लोक सभा अध्यक्ष

...

EFFECTIVE UTILISATION OF TIME OF THE HOUSE WILL IMPROVE EFFICIENCY OF MEMBERS AND WILL BOOST PEOPLE'S CONFIDENCE ON LEGISLATURE: LOK SABHA SPEAKER / सदन के समय का सदुपयोग विधायकों की कार्यकुशलता में वृद्धि करेगा तथा विधायिका में जनता की आस्था में भी वृद्धि करेगा: लोक सभा अध्यक्ष

...

LACK OF ATTENDANCE OF MEMBERS IN SITTINGS OF LEGISLATURES IS A MATTER OF SERIOUS CONCERN: LOK SABHA SPEAKER / विधान मंडलों की बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति कम होना चिंता का विषय है: लोक सभा अध्यक्ष

...

SIMPLE AND EFFECTIVE LEGISLATIONS WILL ENSURE SPEEDY JUSTICE TO PEOPLE: LOK SABHA SPEAKER / कानून जितना सरल और प्रभावी बनेगा, उतना ही सहज और शीघ्र न्याय लोगों को मिलेगा: लोक सभा अध्यक्ष

...

'ONE NATION-ONE LEGISLATIVE PLATFORM' I.E. E-VIDHAN WILL CONNECT LEGISLATURES ON A SINGLE DIGITAL PLATFORM: LOK SABHA SPEAKER / 'एक देश-एक विधायी प्लेटफॉर्म' अर्थात् E-Vidhan पूरे देश के विधान मंडलों को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जोड़कर लोकतांत्रिक इकाइयों को परस्पर जोड़ने का कार्य करेगा: लोक सभा अध्यक्ष

...

LOK SABHA SPEAKER INAUGURATES ORIENTATION PROGRAMME FOR NEWLY ELECTED MEMBERS OF UTTAR PRADESH LEGISLATIVE ASSEMBLY IN LUCKNOW / लोक सभा अध्यक्ष ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश विधान सभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

...

Lucknow; 20 May, 2022: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla inaugurated Orientation Programme organized for the newly elected members of the Uttar Pradesh Legislative Assembly and addressed the gathering, today.

Speaking on the occasion, Shri Birla said that the prestige and dignity of the Legislatures depends on dignity and behaviour of its Members. The better the discussion and dialogue in the House, the more there will be an increase in dignity and prestige of the legislature. Therefore, people's representatives must adopt the highest standards of conduct in the House and maintain the sanctity of the august House. Shri Birla also said that by creating disturbance inside the Houses or by showing slogans and placards, neither the prestige of the Members nor the dignity of the House increases. Therefore, we should not encourage such practices. He said

that the legislatures are platforms for debates and discussion and not for sloganeering.

Shri Birla also said that the more serious and purposive the discussion and dialogue will be, it will lead to better outcomes in the form of better legislations which will bring positive change in the lives of people. Law is meant to change the lives of the people, to give rights to the people and to make their life easier and simpler. Therefore, the more simple and easy the law becomes, the more easy and speedy justice will be delivered to the people, said Shri Birla.

Referring to the importance of attendance in the House, Shri Birla said that the low attendance of MLAs in the Legislative Assembly is a matter of serious concern. The longer the public representatives will sit in the House, the more they will get guidance from their senior and experienced legislators and there will be meaningful discussions and dialogues in the House. Emphasizing on taking inputs from the people for making laws, the Speaker said that the people's representatives should take inputs from the people so that their hopes and aspirations can be incorporated in the legislations.

Referring to the effective use of technology by legislators, Shri Birla said that we all live in a digital era where rapid progress in information and communication technology has made a great impact on the role and functions of the Legislature and its members. It has completely changed the working of legislatures all over the world. He informed that the Legislatures of the entire country are being brought on a single digital platform through 'One Nation-One Legislative Platform' i.e. E-Vidhan which would not only develop our parliamentary system technologically, but would also work to connect all the democratic institutions of the country.

Emphasizing on the need for capacity building of the members in the Legislative Assemblies, Shri Birla said that legislators should be imparted proper training by optimum use of Information Technology in the Legislative Assemblies. Also, while making laws, briefing sessions should be organized for the MLAs. Shri Birla suggested that the members should get copies of the Bills on time as per the rules and regulations so that they can study the provisions of the law. This will ensure substantial discussion in the House.

Referring to Azadi Ka Amrit Mahotsav, Shri Birla called upon all the members to work hard in the direction of socio-economic transformation of the poor and deprived people standing at the last rung of the society.

Shri Birla expressed happiness that the present Legislative Assembly of Uttar Pradesh is unprecedented in many respects as 47 women members have been elected to the Legislative Assembly, which is the highest number of women members in the State Assembly so far. Apart from this, more than 100 members have been elected for the first time to this assembly while more than 200 members have been re-elected. He appealed to the new members of the Assembly to properly study the procedures of the House so that they can contribute effectively and meaningfully during the deliberations.

On this occasion, the Chief Minister of Uttar Pradesh, Shri Yogi Adityanath and Speaker of the Vidhan Sabha, Shri Satish Mahana also addressed the MLAs. Ministers and MLAs of the Government of Uttar Pradesh were also present on the occasion.

Later in the day, Shri Birla met the Governor of Uttar Pradesh, Smt. Anandiben Patel and discussed several important issues. Earlier, Shri Birla met the Chief Minister of Uttar Pradesh, Shri Yogi Adityanath and discussed about strengthening the democratic tradition of legislatures. Shri Birla also met many eminent persons during his visit to Lucknow.

लखनऊ 20 मई, 2022: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज उत्तर प्रदेश विधान सभा के नव-निर्वाचित सदस्यों हेतु आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन किया एवं सभा को संबोधित किया।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री बिरला ने कहा की विधान मंडलों की प्रतिष्ठा और प्रामाणिकता तभी होगी , जब विधान सभा के जनप्रतिनिधियों की अच्छी प्रामाणिकता होगी। सदन में जितनी अच्छी चर्चा और संवाद होगा, विधान सभा की गरिमा और प्रतिष्ठा में उतनी ही वृद्धि होगी। जनप्रतिनिधियों के आचरण और व्यवहार से ही सदन की गरिमा बढ़ती है। इसलिए हमें सदन के अंदर आचरण के उच्चतम मानदंड अपनाना चाहिए और सदन की पवित्रता को कायम रखना चाहिए। श्री बिरला ने यह भी कहा की सदनों के अंदर व्यवधान उत्पन्न करने से या नारेबाजी और तख्तियां दिखाने से न तो माननीय सदस्यों को प्रतिष्ठा बढ़ती है और न ही सदन की गरिमा बढ़ती है। इसलिए , हमें ऐसी प्रथाओं को उत्साहित नहीं

करना चाहिए। उन्होंने कहा की सदन चर्चा और संवाद के लिए है न की नारेबाजी के लिए ।

श्री बिरला ने यह भी कहा की कानून बनाते समय जितनी गंभीर चर्चा होगी, संवाद होगा, उतना ही अच्छा कानून बनेगा और उनसे लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। कानून लोगों के जीवन को परिवर्तित करने के लिए , लोगों का अधिकार देने के लिए और उनके जीवन को सहज और सरल बनाने के लिए होता है। इसलिए कानून जितना सरल और सहज बनेगा , उतना ही सहज और शीघ्र न्याय लोगों को मिलेगा।

सदन में उपस्थिति के महत्व का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि विधान सभा में विधायकों की उपस्थिति कम होना चिंता का विषय है। जनप्रतिनिधि सदन में जितनी देर तक बैठेंगे , उतना ही उनको वरिष्ठ एवं अनुभवी विधायकों का मार्गदर्शन मिलेगा और सदन में सार्थक चर्चा और संवाद होंगे। लोकसभा अध्यक्ष ने कानून बनाने के लिए लोगों से इनपुट लेने पर जोर देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों को लोगों से इनपुट लेना चाहिए ताकि उनकी आशाओं और आकांक्षाओं को विधानों में शामिल किया जा सके।

श्री बिरला ने विधायकों द्वारा प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि हम सभी डिजिटल युग में जी रहे हैं, जहां सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी में होने वाली तीव्र प्रगति ने विधायिका और इसके सदस्यों की भूमिका और कार्यों पर बहुत प्रभाव डाला है। इसने संपूर्ण विश्व के विधान मंडलों के कार्यकरण की शैली को बिल्कुल बदल दिया है। उन्होंने सूचित किया कि 'एक देश-एक विधायी प्लेटफॉर्म' अर्थात् E-Vidhan के द्वारा पूरे देश के विधान मंडलों को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा पोर्टल होगा , जो न केवल हमारी संसदीय प्रणाली को तकनीकी रूप से विकसित करेगा , बल्कि देश की सभी लोकतांत्रिक इकाइयों को परस्पर जोड़ने का कार्य भी करेगा।

विधान सभाओं में सदस्यों की capacity Building की आवश्यकता पर बल देते हुए श्री बिरला ने कहा कि विधान सभाओं में Information Technology का अधिकतम उपयोग हो, इसके लिए विधायकों को training देने का काम होना चाहिए। साथ ही कानून बनाते समय विधायकों के लिए briefing session आयोजित करना चाहिए। श्री बिरला ने सुझाव दिया कि सदस्यों को नियम प्रक्रिया के तहत विधेयकों की प्रतियां समय से मिलनी चाहिए, ताकि वे कानून के प्रावधानों का अध्ययन कर सकें।

आज़ादी का अमृत महोत्सव के संदर्भ में श्री बिरला ने सभी सदस्यगणों को देश प्रदेश के अंतिम पायदान पे खड़े गरीब और वंचित व्यक्ति के सामाजिक आर्थिक परिवर्तन की दिशा में परिश्रम करने का आह्वान किया।

श्री बिरला ने हर्ष व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश की वर्तमान विधान सभा कई मायनों में अभूतपूर्व है क्योंकि विधान सभा में 47 महिला सदस्य निर्वाचित होकर आई हैं, जो अब तक राज्य में महिला सदस्यों की सर्वाधिक संख्या है। इसके अलावा इस विधान सभा में 100 से अधिक माननीय सदस्य पहली बार चुनकर आए हैं जबकि 200 से अधिक माननीय सदस्य पुनः निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने सभा नए सदस्यों को सुझाव दिया कि सदन की प्रक्रियाओं का समुचित अध्ययन करें जिससे वे कार्यवाही में प्रभावी योगदान दे सकें।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ और विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने भी उपस्थित विधायकगण को सम्बोधित किया। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री और विधायकगण भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

बाद में दिन में, श्री बिरला ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। इससे पूर्व, श्री बिरला ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और विधानमंडलों की लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूत करने के बारे में चर्चा की। श्री बिरला अपनी लखनऊ यात्रा के दौरान कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों से भी मिले।